


22.7.15

आज पत्रवाली राजस्व लोक अदालत अभियान
द्वारा आयके इर नैम इन से उलून हुई।
पत्रवाली का अदालत करने पर था कि प्रो
05.4.13 के अर्पण के पक्ष में उन पक्षीय -
अंशों में अल्प विवेधाना निरुद्ध अर्पण
आ अर्थ की जाती की यह कि - " के वि. आ. ल. नं
7, 75, 58, 60, 62, 145, 133, 148, 315, 348
1.00, 0.68, 1.05, 0.60, 0.70, 0.66, 0.44, 0.54, 0.38, 0.46
1077, 1149, 1150, 1152, 1154, 1223, 1224, 1235,
0.71, 0.72, 0.94, 0.17, 0.31, 0.46, 0.43, 0.21,
1619
0.57 वाहे शप मुदर श्री मौला एवं अर्पण के
मया एवेति बनाये रखे व रदन बंध न रहे।"

नकल जमाबंदी से 2069-72 के मुलाकिक
विवादों अदालती पर अर्पण राधा किरान अन्व
हेलसदरान के साथ लखनऊ इर रिकर्ड के साथ
अर्पण उलने पुन है। इस कानूनन रिकर्ड
लखनऊ को नटे के पाकंड नही किया जा सका
ये अन्व प्रकार की गुणावपुण में निर्मित नटे
हुए रिकार्ड 5.4.13 को जाती 7.2 स्वार्टिन निमा
जाया है पत्रवाली केवल मुपाद वेक दू ल बाद
के साथ सैनन रहे।


(हेमराज पारिवाल)

उपखण्ड अधिकारी
नगर (भरतपुर) राब०

